भोपाल जिले के उच्चतर माध्यमिक स्तर के कला संकाय के विद्यार्थियों की समायोजनशीलता का अध्ययन

जगत राज पाठक [1], संगीता तिवारी [2], प्रियंका पाठक [3]
[1, 2]आई. ई. एस. कॉलेज ऑफ एजुकेशन, आई. ई. एस विश्वविद्यालय भोपाल
[3]प्रबंधन विभाग, आई. ई. एस. कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी भोपाल

सारांश: प्रस्तुत शोध पत्र का उद्देश्य भोपाल जिले के उच्चतर माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत कला संकाय के विद्यार्थियों की समायोजनशीलता का विस्तृत अध्ययन करना है। समायोजनशीलता को शैक्षिक, सामाजिक एवं भावनात्मक आयामों के संदर्भ में विश्लेषित किया गया है। अध्ययन में वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया। नमूने के रूप में भोपाल जिले के विभिन्न उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों से 100 कला संकाय के विद्यार्थियों का चयन यादृच्छिक विधि द्वारा किया गया। समायोजनशीलता मापन मापनी से प्राप्त आँकड़ों का विश्लेषण मध्यमान, मानक विचलन एवं प्रतिशत विधि द्वारा किया गया। अध्ययन के परिणामों से यह स्पष्ट हुआ कि अधिकांश विद्यार्थियों की समायोजनशीलता मध्यम स्तर की पाई गई।

मुख्य शब्द: समायोजनशीलता, कला संकाय, उच्चतर माध्यमिक स्तर, भोपाल जिला

***How to cite this article**: जगत राज पाठक, संगीता तिवारी, प्रियंका पाठक (2024).* भोपाल जिले के उच्चतर माध्यमिक स्तर के कला संकाय के विद्यार्थियों की समायोजनशीलता का अध्ययन. *International Journal of Scientific Modern Research and Technology (IJSMRT), ISSN: 2582-8150, Volume-15, Issue-02, Number-03, May-2024, pp.20-21, URL: https://www.ijsmrt.com/wp-content/uploads/2025/12/IJSMRT-24050203.pdf*

Copyright © 2025 by author (s) and International Journal of Scientific Modern Research and Technology Journal. This is an Open Access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution License (CC BY 4.0)

(http://creativecommons.org/licenses/by/4.0/)

IJSMRT-24050203

1. भूमिका

समायोजनशीलता मानव व्यक्तित्व का एक महत्वपूर्ण पक्ष है। यह व्यक्ति की अपने सामाजिक, पारिवारिक, विद्यालयी एवं भावनात्मक परिवेश के साथ सामंजस्य स्थापित करने की क्षमता को दर्शाती है। उच्चतर माध्यमिक स्तर पर विद्यार्थी शारीरिक, मानसिक एवं भावनात्मक परिवर्तनों से गुजरते हैं। इस अवस्था में यदि विद्यार्थी समुचित रूप से समायोजन नहीं कर पाते हैं, तो उनके शैक्षिक प्रदर्शन एवं मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। अतः इस स्तर पर विद्यार्थियों की समायोजनशीलता का अध्ययन अत्यंत आवश्यक हो जाता है।

2. अध्ययन की आवश्यकता एवं महत्व

कला संकाय के विद्यार्थी सामान्यतः भावनात्मक, संवेदनशील एवं सृजनात्मक प्रवृत्ति के होते हैं। इन विद्यार्थियों को विद्यालय, परिवार एवं समाज के साथ बेहतर समायोजन की आवश्यकता होती है। प्रस्तुत अध्ययन शिक्षकों, अभिभावकों एवं शिक्षा प्रशासकों को विद्यार्थियों की समायोजन संबंधी समस्याओं को समझने तथा उनके समाधान हेतु उपयुक्त शैक्षिक रणनीतियाँ विकसित करने में सहायक सिद्ध हो सकता है।

3. अध्ययन के उद्देश्य

- कला संकाय के विद्यार्थियों की समायोजनशीलता के स्तर का अध्ययन करना।
- विद्यार्थियों की शैक्षिक, सामाजिक एवं भावनात्मक समायोजनशीलता का विश्लेषण करना।

4. परिकल्पना

कला संकाय के विद्यार्थियों की समायोजनशीलता मध्यम स्तर की होती है।

ISSN: 2582-8150

5. शोध विधि

शोध विधि– वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि

नमूनाः– भोपाल जिले के विभिन्न उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों से चयनित 100 कला संकाय के विद्यार्थी

उपकरणः– समायोजनशीलता मापन मापनी

सांख्यिकीय तकनीक– मध्यमान , मानक विचलन एवं प्रतिशत विधि

6. परिणाम एवं विश्लेषण

तलिका 1ः– कला संकाय के विद्यार्थियों की समायोजनशीलता का मध्यमान एवं मानक विचलन

समूह	मध्यमान	मनक	विचलन
कला संकाय	100	65.40	8.25

व्याख्या–

तालिका 1ः– से स्पष्ट होता है कि कला संकाय के विद्यार्थियों की समायोजनशीलता का मध्यमान 65.40 है, जो औसत स्तर को दर्शाता है। मानक विचलन 8.25 होने से यह ज्ञात होता है कि विद्यार्थियों में समायोजनशीलता के अंकों में मध्यम स्तर का प्रसरण पाया गया।

तालिका 2ः– समायोजनशीलता स्तरानुसार वितरण

समायोजनशीलता का स्तर	विद्यार्थियों की संख्या	प्रतिशत
उच्च	28	28
मध्यम	54	54
निम्न	18	18

व्याख्याः–

तालिकाः–2 से स्पष्ट है कि अधिकांश विद्यार्थी (54ः) मध्यम स्तर की समायोजनशीलता रखते हैं। 28ः विद्यार्थियों में उच्च स्तर की समायोजनशीलता पाई गई, जबकि 18ः विद्यार्थियों की समायोजनशीलता निम्न स्तर की है।

7. चर्चा

प्राप्त परिणामों से यह स्पष्ट होता है कि कला संकाय के अधिकांश विद्यार्थी सामान्य परिस्थितियों में अपने वातावरण के साथ संतोषजनक समायोजन कर पा रहे हैं। यह परिणाम पूर्ववर्ती शोध अध्ययनों से भी मेल खाता है, जिनमें उच्चतर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों में औसत समायोजनशीलता पाई गई है। कुछ विद्यार्थियों में निम्न समायोजनशीलता का पाया जाना यह संकेत देता है कि उन्हें विशेष मार्गदर्शन एवं परामर्श की आवश्यकता है।

8. निष्कर्ष

प्रस्तुत अध्ययन के आधार पर यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि भोपाल जिले के उच्चतर माध्यमिक स्तर के कला संकाय के विद्यार्थियों की समायोजनशीलता सामान्यतः मध्यम स्तर की है। उचित शैक्षिक वातावरण, सह–पाठ्यक्रम गतिविधियाँ तथा परामर्श सेवाएँ विद्यार्थियों की समायोजनशीलता को और अधिक सुदृढ़ बना सकती हैं।

9. शैक्षिक निहितार्थ

- विद्यालयों में परामर्श एवं मार्गदर्शन सेवाओं की व्यवस्था की जानी चाहिए।
- सह–पाठ्यक्रम एवं रचनात्मक गतिविधियों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।
- शिक्षकों को विद्यार्थियों की भावनात्मक समस्याओं के प्रति संवेदनशील होना चाहिए।

संदर्भ सूची

1. अग्रवाल, जे.सी. दृ 'शैक्षिक मनोविज्ञान'।

2. गुप्ता, एस.पी. दृ 'शोध प्रविधि एवं सांख्यिकी'।

3. क्रो, एल.डी. एवं क्रो, ए. – Educational Psychology ।